# 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उपलब्ध होंगे रोजगार'

## पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से हुआ वेबिनार

लखनऊ। प्रदेश सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को उच्च स्तर पर ले जाने का प्रयास कर रही है। छात्रों, स्टार्टअप एवं शोधकर्ताओं को प्रदेश सरकार से जो अपेक्षाएं हैं उनको पूरा किया जा रहा है। प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बहुत सारे रोजगार के अवसर भी आने वाले हैं। यह कहना है मुख्यमंत्री के सचिव तथा तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सचिव आलोक कुमार का। वे शुक्रवार को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर हुए वेबिनार में बोल रहे थे।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के यूपी चैप्टर चेयरमैन डॉ ललित खेतान ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने व्यवसायों को अधिक लचीला और उत्तरदायी बनाने के लिए प्रभावित किया है। प्रेसीडेंट संजय अग्रवाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वास्तव में कंप्यूटर विज्ञान की एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। जो आने वाले वर्षों और दशकों में सभी आधुनिक सॉफ्टवेयर का एक प्रमुख घटक बनने के लिए तैयार है। प्रो. एमके दत्ता ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया। वेबिनार में डॉ निखिल अग्रवाल, मिलिंद राज, मुकेश बहादुर सिंह, गौरव प्रकाश व सौरभ सान्याल भी शामिल हुए। ब्यूरो